नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम का समापन

निष्णात विद्यार्थी तैयार करें - प्रो. संजीव शर्मा

वर्धा, दि. 23 जुलाई 2019 : शिक्षकों को चाहिए वे अच्छा विद्यार्थी, अच्छा पिता, अच्छा नागरिक बनाने की दिशा में अपने दायित्व का निर्वहन करें। संवाद और संपर्क के माध्यम से अपनत्व के साथ निष्णात विद्यार्थी निर्माण करने के लिए शिक्षकों को हमेशा प्रयासरत रहना चाहिए। स्वयं में सुधार की प्रक्रिया जारी रखते हुए जो कहना चाहते है उसे संप्रेक्षण क्षमता को बढ़ावा देते हुए प्रस्तु

करना चाहिए। उक्त विचार महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, बिहार के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने व्यक्त किए। वे हिंदी विश्वविद्यालय में संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने की। इस अवसर पर कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, शिक्षा विद्यापीठ के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर, डॉ. शिरीष पाल सिंह मंचासीन थे। 24 जून से चल रहे संकाय अनुप्रेरण कार्यक्रम का समापन 23 जुलाई, मंगलवार को अकादमिक भवन के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भरत पंड्या ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शेष कुमार शर्मा ने किया।

अध्यक्षीय उदबोधन में प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि ज्ञान को विस्तारित करना ही शिक्षकों का कार्य होना चाहिए। शिक्षकों को चाहिए कि सृजनात्मक कल्पना का विस्तार करते हुए मुल्याधिष्ठित शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने शिक्षकों से आहवान किया

कि हर क्षेत्र की समस्याएं और प्रश्न अलग-अलग है। आप अपने क्षेत्र में उन्हें दूर करने का प्रयास करें। उन्होंने आहवान किया कि अंत:करण के साथ ज्ञान, दान की प्रक्रिया को संपन्न करें। इस अवसर पर कार्यकारी कुलसचिव प्रो.कृष्ण कुमार सिंह ने अपनी बात रखी। इस दौरान प्रतिभागी, गणपति कुमार, विनोद विनायम, डॉ. भारती देवी, डॉ. प्रवीन चौहान, नरेंद्र डेबे आदि ने कार्यक्रम को लेकर अपनी बात रखी। इस दौरान प्रतिभागियों में सचिन कुमार बेहरा, अतिथि व्याख्यात, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, प्रदीप कुमार विश्वकर्मा, सहायक प्रोफेसर, स्वामी सहजानंद सरस्वती बी.एड. कॉलेज, बोकारो, गणपति कुमार, सहायक प्रोफेसर, रामेश्वर लक्ष्मी महतो अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय, रोसड़ा, डॉ. प्रवीन चौहान सहायक

निदेशक, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा, डॉ. मोनिका कडयान, शैक्षिक अधिकारी, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा, डॉ. किरण नामदेवराव कुंभरे, सहायक प्रोफेसर, दलित एवं जनजाती अध्ययन, हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, डॉ. भारती देवी, सहायक प्रोफेसर, श्री द्रोणाचार्य पी.जी. कॉलेज, दनकौर, उत्तर प्रदेश, शर्मिला देविदास बावस्कार, सहायक प्रोफेसर, सावित्रीबाई फूले कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, अकोला, संजीव राज, सहायक प्रोफेसर, नाईटिंगल कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, लुधियाना, पंजाब, विद्यासागर कुमार, सहायक प्रोफेसर, डी. वाय. पाटिल कॉलेज ऑफ एज्युकेशन, पुणे, स्वप्निल दत्तात्रय खोराटे, सहायक प्रोफेसर, श्री यशवंतराव पाटील साइंस कॉलेज, सोलांकूर, सोमेन दत्त, सहायक प्रोफेसर, रामकृष्ण मिशन शिक्षणमंदिर, हावड़ा, डॉ. अविराज अरूण जत्राटकर, सहायक प्रोफेसर, श्री यशवंतराव पाटील सायंस कॉलेज, कोल्हापूर, अमरनाथ पंडित पाटी, सहायक प्रोफेसर, श्री यशवंतराव पाटील सायंस कॉलेज, कोल्हापूर, डॉ. कृष्ण कांत मिश्रा, सहायक प्राफेसर, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, पी. जी. कॉलेज, डॉ. सरिता राय, सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग राम गिरीश राय पी. जी. कॉलेज, गोरखपुर, डॉ. स्नेह सुधा, सहायक प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर, विनोद विनायक, ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज,

सहरसा, डॉ. सुधीर पांडुरंग दोरूगडे, सहायक प्रोफेसर, यशवंतराव पाटील सायंस कॉलेज, सोलांकूर, केतकी खुशाल निंबालकर, व्याख्याता, मनोविज्ञान, लोक महाविद्यालय, वर्धा, नरेंद्र डेबे, व्याख्याता, वर्धा उपस्थित थे।